Amar Ujala 17-9-2021

क्षतिग्रस्त एफआरआई भवन की मरम्मत में जुटे विशेषज्ञ

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। उत्तरकाशी में साल 1999 में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के उत्तरकाशी सभागार समेत मुख्य भवन में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर आयी दरारों की मरम्मत शुरू की गई है। भूकंप के केंद्रीय वन अनुसंधान दौरान मुख्य

भवन में

आयी थीं

दरारें

केंद्रीय वन अनुसंधान संस्थान रुड़की (सीबीआरआई) के विशेषज्ञों की देखरेख में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों द्वारा मरम्मत

की जा रही है। उल्लेखनीय पहलू यह है कि वन अनुसंधान संस्थान के इंजीनियरों ने पहले अपने स्तर पर इसकी मरम्मत की कोशिश की, लेकिन जब वे दरारों की मरम्मत नहीं कर पाए तो सीबीआरआई के विशेषज्ञों की मदद ली गई। वन अनुसंधान संस्थान के इंजीनियरिंग सेल के प्रमुख आरएस तोपवाल ने बताया कि सीबीआरआई के विशेषज्ञों की टीम ने दरारों का तकनीकी अध्ययन करने के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसके बाद केंद्र सरकार की ओर से मरम्मत के लिए बजट जारी किया गया। बताया कि सीबीआरआई विशेषज्ञों की देखरेख में मरम्मत का काम शुरू किया गया है।



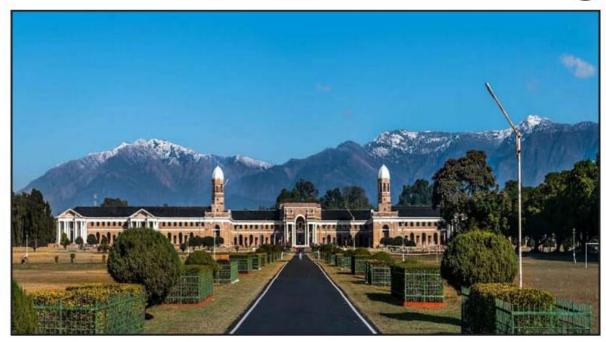
सूरज की गर्मी से पकाई ईटों से हुआ था निर्माण

वन अनुसंधान संस्थान का मुख्य भवन वास्तुकला के लिहाज से दुनिया के चृनिदा भवनों में से एक है। गिनीज बक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में मुख्य भवन को विशुद्ध रूप से सुर्य की गर्मी से पकायी गई ईंटों से बना दनिया का उत्कृष्ट निर्माण बताया है। दो हजार एकड़ में फैले एफआरआई के निर्माण पर उस समय नब्बे लाख रुपये खर्च किए गए और सात साल में इसका निर्माण परा किया गया। सात नवंबर 1929 को तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने एफआरआई भवन का उद्घाटन किया था। एफआरआई के निर्माण में ग्रीक-रोमन शैली की वास्तुकाला का इस्तेमाल किया गया। संस्थान के मुख्य भवन का डिजाइन महान वास्तुकार बिलियन लुटियंस ने तैयार किया था। एफआरआई को पहले इंपीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यट एंड कॉलेज के नाम से जाना जाता था।

The Hawk 16-9-2021

Renovation Work Of Historical FRI Building

Dehradun (The Hawk): The main building of Forest Research Institute, Dehradun was constructed in the year 1929. Its construction was started in the year 1923 by the Central Public Works Department, Government of India. After the earthquake in Chamoli, Uttarakhand in the year 1999, some parts of this historic building had developed cracks. Apart from this, with the passage of time, problems of leakage, seepage etc. is also appearing in it. To deal with these problems Central Public Works Department with the help of C.B.R.I., Roorkee is initiating renovation work.



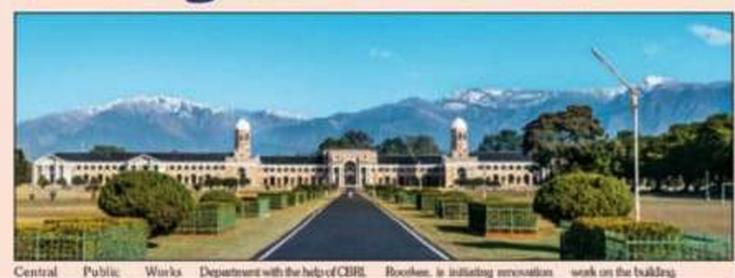
Garhwal Post 16-9-2021

FRI building to be renovated

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 15 Sep: The main haliding of the Forest Research Institute, here, was constructed in 1929. Its construction was started in the year 1923 by the Central Public Works Department. Government of India.

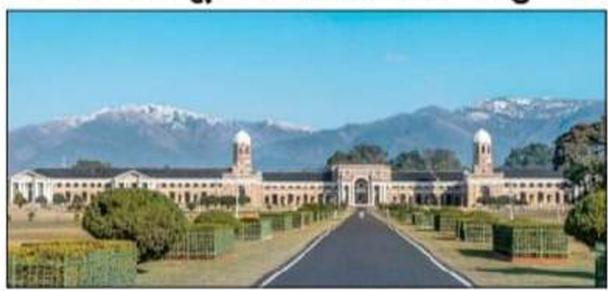
After the earthquake in Chameli in 1999, some parts of this historic building had developed cracks. Apart from this, with the passage of time, problems of leakage, surpage, etc., have also appeared. To deal with these problems.



Punjab Kesari 16-9-2021

एकआरमर्ड की ऐतिस्रक्षिक इमारत में 1999 के चमोनी मुकंप से अर्ड दरमें ठीक करने का काम शुरू, 16.86 करोड़ सेंगे सर्व

दो साल में दूर हो जाएंगी शताब्दी पुरानी धरोहर की 'झुर्रियां'



र्वताबुर, १८ रिजाना (जिलेह अंबाल) : यर अनुसंधार संस्थान (एकआरआई) की करेब एक राजनी पुरने हेंग्डेन बिल्डर केटन बहुले का रहे हैं। 1999 के बामोली पुत्रेप के तीरान एकआआई की ऐतहस्थिक जिल्हा में दगरें आ गई में। करीब तो दशक कर 16,66 करोड़ अपने भी जरान में परकी मरमताका कार शुरु किया गया है।

एकप्राप्तवां की मेन क्रिजेंग का निर्मण कारा-1923 में जूप किया गृह था। सीचीतकपूती ने हसे 1929 में तीहर किया। एकप्राप्तवां में आरओ आपस के तकहेंको आकारों केंद्र सिंह राजत ने काया कि क्रिकेंग में द्यारों केकारण लेकेज, सिनेत आदि की समग्रहां भी पेशाओं की बी। अप

इतके राष्ट्रधान का काम सुर क्रिकाट गड है।

गणधार धाई के ईमेरिन परिंग गोल के कर स आरपस केपकल ने क्वापा कि सीचेहरूपुरी ने सीची आरवार्ग की महर में बिल्डिंग की भरमान का काम शहर करने दिन है। दिनने एक एजेंसे इसकाम को कर रही है। स्ताल उत्पन्न में मोचीनापूरी ने समारी मरमान संबंधीका पंचे तना प्रकारी के लिए पीनी आर आई करवानी को भी जी चे। संकितारमाई ने साल 2019 में अपने लिटेर से। पिछले सालप्रसंब लिए विशेष म्बीक ने मिली। कोविज वो चना संवाम मेरवलब हुआ। अब का काम बाह्य कर दिख गया है। अगले को सहर में बसे पर कर firm vegra i

The Pioneer 16-9-2021

Renovation of FRI building begins



PNS DEHRADUN

Renovation work is being started in the historic building of the Forest Research Institute (FRI) here. The main building of FRI was constructed during the year 1929 in Dehradun. Its construction was started in the year 1923 by the Central Public Works Department. According to officials, after the earthquake in

Chamoli, Uttarakhand during the year 1999, some parts of this historic building had developed cracks. Apart from this, with the passage of time, problems of leakage, seepage and other issues were also being experienced in it.

To deal with these problems the Central Public Works Department with the help of CBRI, Roorkee is initiating renovation work.

Rashtriya Sahara 16-9-2021

ऐतिहासिक इमारत की दरारों को पाटने का 'श्रीगणेश'

सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादुन।

वास्तुकला के प्राचीन मॉडल वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की ऐतिहासिक इमारत की व्याड़ी सेहत को सुधारने का कार्य शुरू हो गया है। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने सीवीआरआई रुड़की के तकनीकी सहयोग से इमारत पर पड़ी लंबी-चौड़ी दरारों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है।

यह दरारें पिछले दो दशक से इस ऐतिहासिक इमारत की भव्यता को मुंह बिढ़ा रही थी। यद्यपि एक दशक पहले केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंघान एवं शिक्षा परिषद और वन अनुसंघान संस्थान के रखरखाब, अनुरक्षण व अनुसंघान कार्यों को बढ़ाबा देने के लिए जो अनुदान राशि जारी दी थी उससे भी इन



दरारों को पाटने की वात की गई थी। तब डा. जीएस रावत आईसीएफआरई के महानिदेशक पद पर तैनात थे। लेकिन वाद के वर्षों में यह मामला अचर में लटक गया।

वताते चलें कि देहरादून के चकराता रोड पर स्थित एफआरआई भवन ऐतिहासिक हैं। इसकी भव्यता देश ही नहीं विदेशों में भी चर्चित है। सात एकड़ (2.8 हेक्टेयर) भूखंड पर विस्तारित यह इमारत प्राचीन वास्तुकला का अनूटा उदाहरण है। केंद्र सरकार इस ऐतिहासिक भवन को पहले ही राष्ट्रीय संपदा घोषित कर चुकी है। चिंता यह कि पिछले कुछ साल में भवन के हालात जर्जर हुए हैं। वताया जाता है कि वर्ष

100 साल होने जा रही इमारत की उम्र

एफ आरआई की मुख्य इमारत ब्रिटिश वास्तुविद् सीजी व्लाम्सफील्ड द्वारा तैयार किए गए डिजायन पर निर्मित है। सरदार रणजीत सिंह ने वर्ष 1924 में भवन का निर्माण कराया था। सात एकड़ भूखंड पर बिस्तारित 228 मीटर लंबी इमारत तीन व्लाक (पूर्वी, पश्चिमी व मध्य व्लाक) में विभाजित है। वर्ष 1929 में तत्कालीन वाइसराय लार्ड इरविन ने इस ऐतिहासिक इमारत का उद्घाटन किया था। भारत सरकार ने वाद में इसको राष्ट्रीय संपदा घोषित कर संरक्षित करने का जिम्मा उठाया है। देश-दुनिया में यह भवन वास्तुकला का विशिष्ट उदाहरण भी है। छोटे व वड़े पर्दे पर रिलीज हो चुकी कई फिल्मों का फिल्मांकन भी यहां पर हुआ है।

1991 व 1999 में आये भूंकप के तेज झटकों ने इमारत की भव्यता को नुकसान पहुंचारा है।

इससे इमारत के मध्य भाग की दीवारों व गुम्बदों में लंबीऱ्यौड़ी दरारें आ गई थी। साब ही लीकेज, सिलेज आदि की समस्या भी बढ़ती जा रही थी। आईआईटी-सीवीआरआई रुडकी के वैज्ञानिक भी कई वार भवन पर पड़ी इन दरारों का निरीक्षण कर चुके हैं। वावजूद इमारत पिछले हिस्से पर पड़ी दरारों को समय पर पाटने की कोशा नहीं की गई। वहरहाल, अब देर से ही सही पर इस ऐतिहासिक इमारत पर पड़ी दरारों का पाटने का कार्य शुरू हो ही गया है। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग मरम्मत कार्य के लिए सीवीआरआई ठडकी से

- वर्ष 1991 व 1999 में भूकंप के तेज झटकों से एफआरआई की बिल्डिंग पर आ गई थी कई दरारे
- पिछले दो दशक से इमारत की भव्यता को मुंह चिढ़ा रही ये दरारें
- सीबीआरआई रुड़की की तकनीक मदद से सीपीडब्ल्यूडी ने शुरू किया मरम्मत का कार्य

तकनीकी सहयोग प्राप्त कर रहा है। वताया जा रहा है कि रिट्रोफिटिंग तकनीक से इन दरारों को पाटा जाएगा। क्योंकि इस तकनीक में भवन के पुराने व सुरक्षित हिस्से को अधिक नुकसान पहुंचने की संभावना कम रहती है और ना ही भवन पर ज्यादा तोड-फोड करनी पड़ती है।